प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

उपयुक्त मानव संसाधन तैयार करना हमारी प्राथमिकता-डा. तेज प्रताप

डब्लू टी ओ को सशक्त करने की आवश्यकता बतायी डा. सिद्दीकी ने

पंतनगर में पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन आयोजित

पंतनगर। २७ नवम्बर, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय की एल्युमनाई एल्मामेटर एडवांसमेंट एसोशिएशन (४ए) द्वारा पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन, एल्युमनाई एल्मामेटर मीट २०१८, के उद्घाटन सत्र का आयोजन आज रतन सिंह सभागार में हुआ। इस सत्र के अध्यक्ष पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप; मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं सीनियर एडवाइजर ग्लोबल फूड सिक्युरिटी, डा. इस्लाम ए सिद्दीकी; एवं विशिष्ट अतिथि सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति, डा. गया प्रसाद, थे।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में पंतनगर के कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने कहा कि विश्वविद्यालय की वर्ष १९६० में स्थापना के बाद से अब तक कृषि के परिदृश्य में काफी बदलाव हो चुका है। अब ६० से अधिक कृषि विश्वविद्यालय, विभिन्न दूसरे संस्थान व निजी संस्थानों के कारण विश्वविद्यालय का स्थान सीमित हो गया है। अब हम पुरानी उपलब्धियों व कार्यों की पुनरावृत्ति नहीं कर सकते हैं, न ही उनकी अब आवश्यकता है। हमारे सामाने स्वयं को इन बदलावों के अनुसार बदलने की चुनौती है। अब हमारा मुख्य उद्देश्य वर्तमान परिस्थितियों के लिए उपयुक्त मानव संसाधन विकसित करने की ओर होना चाहिए। साथ ही कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के रूप में राज्य के लिए, जहां से विश्वविद्यालय को अनुदान प्राप्त होता है, ऐसी सोच दिये जाने की आवश्यकता है जिससे यहां के किसानों व कृषि के उत्थान के लिए दिशा प्राप्त हो सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से जैविक खेती व कृषि के जीव विज्ञान व भौतिक विज्ञान पर शोध किये जाने के लिए भी कहा । डा. प्रताप ने कृषि योजनाओं व रणनीतिक सोच विकसित किये जाने की भी बात कही। उन्होंने पूर्व विद्यार्थियों को विश्व के अन्य विश्वविद्यालयों के साथ शिक्षण व शोध कार्यक्रम प्रारम्भ किये जाने व इस विश्वविद्यालय में आशातीत बदलाव किये जाने के लिए अपने सुझाव देने को भी कहा।

इस अवसर पर अपने मुख्य अतिथि के संबोधन में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं अमेरिका के ग्लोबल फूड सिक्योरिटी प्रोजेक्ट के वरिष्ठ सलाहकार, डा. इस्लाम ए. सिद्दीकी, ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन में वैश्विक व्यापार तंत्र द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों के संबंध में व्याख्यान दिया। उन्होंने वर्ष १९४८ में वैश्विक व्यापार के संबंध में बनाये गये विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) को कृषि के उत्पादों के व्यापार हेतु महत्वपूर्ण बताते हुए इसको सशक्त किये जाने की आवश्यकता बतायी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ट्रंप प्रशासन द्वारा चीन के साथ व्यापार घाटे को देखते हुए व अन्य देशों द्वारा द्विपक्षीय अनुबंधों के अनुसार कार्य न करने के कारण विभिन्न प्रतिबंध लगाये जा रहे हैं। डा. सिद्दीकी ने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शोचनीय स्थिति में है, जिसको पुनः पटरी पर लाये जाने की चुनौती है। उन्होंने दोहा वार्ता को ख़त्म किये जाने की भी आवश्यकता बतायी।

डा. गया प्रसाद ने विश्वविद्यालय में छात्र जीवन में अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उनके समय में वर्ष १९७३ में भी पंतनगर विश्वविद्यालय का शिक्षण उच्च स्तर का था। उस समय अतिथियों द्वारा दिये जाने वाले व्याख्यान उन सब विषयों की जानकारी से परिपूर्ण थे, जिन पर इस समय काफी कार्य हो रहा है। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिसियल इंटैलिजेंस), जीएमओ आनुवांशिकी प्रौद्योगिकी जैसे विषय भी सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि उस वक्त हर सप्ताह एडवाइजरी बैठक हुआ करती थी, जो विद्यार्थियों की किसी भी समस्या का समाधान के लिए

तत्पर रहती थी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के अध्यापकों का विद्यार्थी के प्रति सकारात्मक रूझान ही उन्हें सामान्य से विशिष्ट बनाता है और आज मै जिस स्तर पर हुँ उसके पीछे पंतनगर विश्वविद्यालय की शिक्षा, माहौल और यहां के अध्यापक हैं। उन्होंने छात्रा जुगनु जैन की सफलता की कहानी को भी लोगों के बीच साझा किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में उपस्थित अतिथिगणों का स्वागत करते हुए ४ए की मुख्य समन्वयक, डा. दीपा विनय ने बताया कि ४ए पूर्व विद्यार्थियों का एक महत्पूर्ण मंच है, जहां पर पूर्व विद्यार्थी अपने अनुभवों को साझा करते हैं और वर्तमान विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए दिशा निर्देश भी देते है।

इस अवसर पर १९६६ बैच के पूर्व छात्र, इंजीनियर एम.ए. अरोरा, एवं विश्वविद्यालय के बीच एक एम.ओ.यू. पर भी हस्ताक्षर हुए। साथ ही अतिथियों द्वारा स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सत्र के अंत में धन्यवाद सचिव ४ए, डा. विपुल गुप्ता, ने किया। गृह महाविद्यालय की सिल्वर जुबली बैच की पूर्व छात्राओं ने गृह विज्ञान महाविद्यालय को रू. ६० हजार की अनुदान राशि भी प्रदान की। इस कार्यक्रम में १५० से भी अधिक पूर्व विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

अपराह्न में इस सम्मेलन में 'किसानों की आय दोगुनी करने में कृषि शिक्षा की भूमिका एवं दृष्टिकोण' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। स्वर्ण जयंती एवं रजत जयंती वर्ष के पूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। ४ए के आजीवन सदस्यों द्वारा संगठन की वार्षिक बैठक का भी इस अवसर पर आयोजन हुआ।

पंतनगर के पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में स्मारिका का विमोचन करते मंचासीन अतिथि व आयोजक